

सत्व विसर्ग संधि-नियम-(ii) [इ/उः+क/प/म]

यदि विसर्ग से पहले 'इ/उ' हो और विसर्ग के बाद 'क/प/म' वर्ण आ जाएं तो विसर्ग का 'प्' हो जाता है-

जैसे- आविः+कार-आविष्कार, बटिः+कार-बटिष्कार
बटिः+कृत-बटिष्कृत, चतुः+पथ-चतुष्पथ

चतुः + पाद - चतुष्पाद, चतुः + कोण - चतुष्कोण
↓
ष

आयुः + मान - आयुष्मान्, वपुः + मान - वपुष्मान्
↓
ष

* निम्न लिखित में से विसर्ग संधि का उदाहरण नहीं है-

- (i) आविष्कार (ii) बहिष्कार (iii) परिष्कार (iv) बहिष्कृत
- ↓ ↓ ↓ ↓
- आविः+कार बहिः+कार परि+कार बहिः+कृत
- ↓ ↓ ↓ ↓
- व व व व

नियम - (iii) [स्वरः + स्वर (अ को छोड़कर)]
 ↓
 ः का लोप

यदि विसर्ग से पहले कोई स्वर हो और विसर्ग के बाद भी स्वर हो लेकिन 'अ' को छोड़कर तो विसर्ग का लोप हो जाता है -

जैसे - अतः + ख - अतख, ततः + ख - ततख

पयः + आदि - पयआदि, पयः + इच्छा - पयइच्छा

यशः + इच्छा - यशइच्छा, मनः + उच्छेद - मनउच्छेद

* 'मनउच्छेद' शब्द में क्रमशः सन्धि है - (उत् + छेद)

- (i) विसर्ग संधि व गुण संधि (ii) यण् संधि व विसर्ग संधि
 (iii) विसर्ग संधि व व्यंजन संधि (iv) व्यंजन संधि व विसर्ग संधि

नियम-(iv) [०+ च/छ/श]
 श

यदि विसर्ग के बाद 'च/छ/श' वर्ण

आ जायें तो विसर्ग का 'श्' हो जाता है-

जैसे- क०+चित्-कश्चित् अन्तः+चेतना-अन्तश्चेतना
 श

अन्तः+चक्षु-अन्तश्चक्षु, नि०+छत्त-निश्छत्त
 श

वटिः + छेद - वटिश्छेद, दुः + शासन - दुश्शासन,
 शै

मनः + चिकित्सा - मनश्चिकित्सा, दुः + चात - दुश्चात
 शै

दुः + चक्र - दुश्चक्र
 शै

यशः + शरीर - यशश्शरीर
 शै

नियम-(IV) [०+ट/ठ/ष]
 ष्र

यदि विसर्ग के बाद 'ट/ठ/ष' वर्ण

आ जाएं तो विसर्ग का 'ष्र' हो जाता है-

जैसे- -चतुः+लीका-चतुल्लीका, धनुः+लंकार-धनुल्लंकार
 ष्र ष्र
 -चतुः+षष्टि-चतुष्षष्टि
 ष्र ष्र

नियम-(vi) [० + त/थ/स]
 सू

यदि विसर्ग के बाद 'त/थ/स' वर्ण

आ जाएं तो विसर्ग का 'स्' हो जाता है-

जैसे- नमः + ते - नमस्ते, अन्तः + तम - अन्तस्तम
 सू

बटिः + थल - बटिस्थल, निः + नारण - निस्तारण
 स्र

निः + तेज - निस्तेज, स्र

दुः + साहस - दुस्साहस
 स्र

निः + सीम - निस्सीम
 स्र

नियम (vi) [निः/दुः + र]

निः/दुः के बाद 'र' वर्ण आ जाए तो

निः/दुः में आने वाले विसर्ग का लोप हो जाता है और 'निः/दुः' में प्रयुक्त 'इ/उ' का 'ई/ऊ' हो जाता है-

जैसे - निः + रोग - नीरोग, निः + ख - नीख

निः + रस - नीरस
 x

अकल्य

दुः + रम्य -
 दूरम्य
 अकल्य

निः + रंध्य - नीरंध्य
 x

अकल्य

दुः + राज -
 दूरराज
 अकल्य

* निम्नलिखित में से विसर्ग संधि का उदाहरण नहीं है-

- (i) नीरोग (ii) नीरस (iii) नीरंध्र ✓ (iv) नीरज
- ↓ ↓ ↓ ↓
- निः+रोग निः+रस निः+रंध्र नीर+ज